an>

Title: Issue regarding law and order situation in Uttar Pradesh.

साध्वी निरंजन ज्योति (फतेहपुर) : माननीय अध्यक्ष जी, इस ज़ीरो आवर में मैं आपके माध्यम से एक दुःखी परिवार की तरफ ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं। मैनपुरी जनपद के अलीगंज बाजार से एक किसान बाजरा खरीद कर गांव लौट रहा था। यह साढ़े दस बजे की घटना है। पुलिस ने उस को पकड़ा और पकड़ कर थाने ले गयी। परिवार वालों को सूचना मिली, परिवार वाले गए।

माननीय अध्यक्ष जी, जिस थाने में उसे होने की सूचना मिली, वह वहां नहीं मिला। परिवार वाले दूसरे थाने गए। वह वहां भी नहीं मिला। इसके बारह घंटे के बाद परिवार वालों को सूचना मिली कि उसकी डेड बॉडी बाहर मिली है और पुलिस उसका पोस्ट मॉर्टम करवाने के लिए ले गयी है। जब उसका परिवार पोस्ट मॉर्टम हाउस पहुंचता है तो पुलिस उसकी डेड बॉडी को लेकर कहीं छिपा देती है। उसकी डेड बॉडी कहीं पड़ी हुई थी और उसके पैर खुले पड़े थे। उसके पैर को पहचान कर उसके परिवार वालों ने कहा कि हम इस बॉडी को घर ले जाएंगे और इसका दाह-संस्कार करेंगे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, यह बहुत गंभीर मैटर है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं कि उस बलराम कश्यप के आज छोटे-छोटे बच्चे हैं। उसकी हत्या पुलिस की हिरासत में हुई है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहती हूं कि उस दुःखी परिवार को मुआवज़ा मिले और इसकी सीबीआई जांच करा कर दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ़ एफ.आई.आर दर्ज़ कर उन्हें जेल भेजा जाए। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज़ नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : ठीक है। स्टेट का मामला यहां नहीं उठाते। श्री कमलेश पासवान।

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ) : अध्यक्षा जी, स्टेट मैटर हाउस में नहीं उठना चाहिए। अगर उठ रहा है तो यह गलत है।â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिये। आपको बोलने के लिए किसने बोला?